अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम ....

102 302 (ZL)

2023

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड क

1. (क) प्रतापनारायण मिश्र द्वारा सम्पादित पत्र का नाम है: [1]

(i) 'हिन्दी प्रदीप'

(ii) 'ब्राह्मण'

(iii) 'सरस्वती'

(iv) 'मर्यादा'

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैं: [1]

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iii) रामचन्द्र शुक्ल

(iv) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ग) 'अशोक के फूल' किस विधा की रचना है ? [1]

(i) कहानी

(ii) संस्मरण

(iii) उपन्यास

(iv) निबन्ध

(घ) 'भारत-दुर्दशा' नाटक के रचनाकार हैं: [1]

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) बालकृष्ण भट्ट

(iii) श्याम सुन्दर दास

(iv) प्रतापनारायण मिश्र

(ङ) इनमें से गद्य की किस विधा में काल्पनिक प्रसंगों का स्थान नहीं है? [1]

(i) 'कहानी'

(ii) 'उपन्यास'

(iii) 'नाटक'

(iv) 'आत्मकथा'

2. (क) हिन्दी-साहित्य के आधुनिक काल की रचना है: [1]

(i) 'पद्मावत'

(ii) 'सूरसागर'

(iii) 'रामचन्द्रिका'

(iv) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है'

(ख) 'हरिऔध' का पूरा नाम है: [1]

(i) जगन्नाथदास

(ii) अयोध्याप्रसाद

(iii) नाथूराम शर्मा

(iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय

(ग) छायावाद की मुख्य विशेषता है: [1]

(i) प्रकृति-चित्रण

(ii) युद्ध-वर्णन

(iii) यथार्थ चित्रण

(iv) भक्ति -प्रधानता

(घ) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहा गया है: [1]

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर' को

(ii) जयशंकर प्रसाद को

(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को

(iv) सुमित्रानन्दन पन्त को

(ङ) 'तारसप्तक' के सम्पादक हैं: [1]

(i) गजानन माधव मुक्तिबोध

(ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iii) गिरिजाकुमार माथुर

(iv) धर्मवीर भारती

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [5x2=10]

यदि यह नवीनीकरण सिर्फ कुछ पंडितों की व आचार्यों की दिमागी कसरत ही बनी रहे तो भाषा गतिशील नहीं होती । भाषा का सीधा संबंध प्रयोग से है और जनता से है । यदि नए शब्द अपने उद्गम स्थान में ही अड़े रहें और कहीं भी उनका प्रयोग किया नहीं जाए तो उसके पीछे के उद्देश्य पर ही कुठाराघात होगा ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'कुठाराघात' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) भाषा का सीधा सम्बन्ध किससे है?

(ङ) लेखक के अनुसार नए शब्दों के प्रयोग न किए जाने पर क्या परिणाम होगा ?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथिवी हो और मनुष्य न की कल्पना असंभव है। पृथिवी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी का पुत्र है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) लेखक के अनुसार राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है?

(घ) पृथिवी और जन मिलकर किसकी रचना करते हैं?

(ङ) पृथिवी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [5x2=10]

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये ।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को ।
जो थोड़ी-सी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना ।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना ।।
कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखावे ।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना ।।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसेला ।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को ।।

(क) उपर्युक्त कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) उपर्युक्त पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है?

(घ) 'कृषक-ललना' और 'भूतांगना' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) नायिका पवन से लज्जाशीला महिला के प्रति कैसा आचरण अपनाने के लिए कहती है?

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति का यह पतवार;

आज से यह जीवन उत्सर्ग इसी पद तल में विगत विकार ।

<u>बनो संसृति के मूल रहस्य तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;</u>

विश्वभर सौरभ से भर जाय सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) यह पद्यांश किस महाकाव्य का अंश है?

(घ) 'समर्पण लो सेवा का सार सजल संसृति' में कौन-सा अलंकार है?

(ड़) 'संसृति' तथा 'उत्सर्ग' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [3+2=5]

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'ध्रुव यात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) [5]

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'द्वितीय सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'तृतीय सर्ग' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'षष्ठ सर्ग' (नमक सत्याग्रह) की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(च) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के किसी मार्मिक प्रसंग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

खण्ड ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायञ्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणस्थितिकोऽपि जन: महतोत्साहेन मनस्वितया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्यं कर्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषिमूर्धन्यः मालवीयः ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरुचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसङ्घे अवलोकयन्ति मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत् । मयूरः 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसङ्घस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् ।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: [2+5=7]

व्यतिषजति पदार्थानान्तरः कोऽपि हेतु:

न खलु बहिरुपाधीन् प्रीतयः संश्रयन्ते ।

विकसति हि पतङ्गस्योदये पुण्डरीकं

द्रवति च हिमरश्मावुद्गतेः चन्द्रकान्तः ।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।

लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हसि ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1+1=2]

(क) भीगी बिल्ली बनना

(ख) हाथ पीले करना

(ग) दूध का दूध और पानी का पानी करना

(घ) आँख का अंधा नाम नयनसुख

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'रमेश' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) राम + ईश:

(ब) रमा + इश:

(स) रमा + ईश:

(द) रम + ईश:

(ii) 'इत्युक्तम्' का सही सन्धि-विच्छेद है: [1]

(अ) इति + उक्तम्

(ब) इत्य + उक्तम्

(स) इत्य + युक्तम्

(द) इत् + उक्तम्

(iii) 'उभावपि' का सही सन्धि-विच्छेद है:   [1]

(अ) उभौ + अपि

(ब) उभा + वपि

(स) उभ + औपि

(द) उभ् + औपि

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'आत्मनि' शब्द में विभक्ति और वचन है:   [1]

(अ) तृतीया विभक्ति, द्विवचन

(ब) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(स) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(द) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'नाम्नि' शब्द में विभक्ति और वचन है:   [1]

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(स) पंचमी विभक्ति, एकवचन

(द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(i) द्रव - द्रव्य: [1]

(अ) तरल पदार्थ और धन

(ब) धन और धान्य

(स) दान और देने योग्य

(द) दवा और दया

(ii) हरि-हर: [1]

(अ) विष्णु और शंकर

(ब) शिव और पार्वती

(स) भगवान और भक्त

(द) महादेव और हरण किया गया

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: [1+1=2]

(i) तात

(ii) तीर

(iii) कुल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) जिसके भीतर की हवा का तापमान सम स्थिति में रखा गया हो: [1]

(अ) परितापी

(ब) अन्तः तापी

(स) समतापी

(द) प्रतापी

(ii) पीने की इच्छा रखने वाला: [1]

(अ) प्यासा

(ब) तृषित

(स) पिपासा

(द) पिपासु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: [1+1=2]

(i) आपकी पुत्री पद्मा बहुत बुद्धिमान् है ।

(ii) कृपया करके मेरे घर पधारिए ।

(iii) तुम्हें मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए ।

(iv) कानपुर एक ओद्योगिक नगर है ।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव बताते हुए उसका एक उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

(ख) 'अनुप्रास' अलङ्कार अथवा 'उपमा' अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। [1+1=2]

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । [1+1=2]

13. किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए जिसमें अपने गाँव में फैल रही कोविड-19 संक्रामक बीमारी के प्रति मुख्य चिकित्सा अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया हो । [2+4=6]

अथवा

अपने विद्यालय में कम्प्यूटर खराब होने की समस्या के निराकरण हेतु प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : [2+7=9]

(क) राष्ट्रमण्डल खेल - 2022 में भारत की उपलब्धियाँ

(ख) 'इंटरनेट' की शैक्षिक उपयोगिता

(ग) मेरा प्रिय साहित्यकार

(घ) जलवायु परिवर्तन के कारण और परिणाम

(ङ) भारत में कृषि क्रान्ति